

उत्तराखण्ड शासन
वित्त(वे०आ०-सा०नि०)अनुभाग-७
संख्या-४॥ / xxvii(7) / 2010
देहरादून: दिनांक: ०६ जनवरी, 2010

कार्यालय ज्ञाप

विषय:- यात्रा भत्ता की दरों का पुनरीक्षण।

उपर्युक्त विषय के संबंध में अद्योहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या 78 / xxvii(7) / 2009, दिनांक १मार्च, 2009 एवं तत्काम में जारी शुद्धि पत्र संख्या 100 / xxvii(7) / 2009, दिनांक ३१मार्च, 2009 द्वारा यात्रा-भत्ता की पूर्व दरों एवं व्यवस्थाओं को पुनरीक्षित किया गया है। उक्त शासनादेश में यात्रा-भत्ते के संबंध में पूर्व में जो व्यवस्था/अनुमन्यता थी उनमें कमी कर दिये जाने तथा उसकी कठिपय व्यवस्थायें व्यवहारिक न होने के कारण विभिन्न स्रोतों से इनमें संशोधन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों पर सम्यक विचारोपरान्त शासनादेश दिनांक १-३-२००९ में निम्नानुसार संशोधन किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष रवीकृति प्रदान करते हैं:-

(क) यात्रा-भत्ता के प्रयोजनार्थ सरकारी सेवकों की अधिकृत श्रेणी

पूर्व में कार्यालय ज्ञाप संख्या सा-४-३९५ / दस-९९-६००-९९ दिनांक ११ जून, 1999 में दिनांक १.१.९६ से प्रभावी वेतनमानों में रु० 16400 से १८३०९ प्रतिमाह तक वेतन पाने वाले अधिकारियों को रेल के वातानुकूलित कोच (प्रथम श्रेणी) तथा ५०० कि०मी० से अधिक की यात्रा करने पर वायुयान अथवा शताब्दी एक्सप्रेस का एकजीक्यूटिव क्लास अनुमन्य था। कार्यालय ज्ञाप दिनांक १ मार्च, 2009 द्वारा केवल रु० १०,००० ग्रेड वेतन पाने वाले अधिकारियों जिनका पुराना वेतनमान रु० १८४००-२२४०० था तथा केवल शासन के अपर सचिव को जो रु० ८९०० के ग्रेड वेतन (पुराना वेतनमान रु० १६४००-२०,००० के वेतनमान) में हो को वायुयान का इकोनामिकल क्लास अथवा रेलवे का ए०सी० प्रथम श्रेणी/शताब्दी एक्सप्रेस के एकजीक्यूटिव क्लास की अनुमन्यता की गई है, अर्थात् पूर्व में जो सुविधा पुराने वेतनमान रु० १६४००-२०,००० में कार्यरत अधिकारियों जिनका नये वेतनमान में ग्रेड पे रु० ८९०० है, उन्हें वह न प्राप्त होकर रेल का ए०सी० टू ट्रियर/प्रथम श्रेणी/ शताब्दी एक्सप्रेस के चेयरकार की अनुमन्यता की गयी है जोकि पूर्व की अनुमन्यता से कम है। अलै. रु० ८९०० ग्रेड वेतन के समस्त पद धारकों को पूर्व से अनुमन्य वायुयान का इकोनोमी क्लास अथवा रेलवे का ए०सी० प्रथम श्रेणी/शताब्दी एक्सप्रेस का एकजीक्यूटिव क्लास की अनुमन्यता की निरन्तरता यथावत रहेगी।

(ख) दैनिक भत्ता-वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-३ के नियम २३ (जी)(१) के अधीन अनुमन्य दैनिक भत्ते की वर्तमान दरें जो शासनादेश दिनांक १ मार्च, 2009 के द्वारा संशोधित की गई है उनमें वर्तमान समय में रु० ४८०० तथा इससे कम ग्रेड वेतन के पदधारकों हेतु पूर्व में ३ श्रेणियां थीं जिन्हें अब घटाकर एक कर दिया गया है, जिसमें रु० ४६०० ग्रेड वेतन के पदधारकों के लिए दैनिक भत्ते की दरों में 'अन्य जिला मुख्यालयों के लिए आंशिक रूप से तथा 'शेष समस्त क्षेत्रों के लिए कोई वृद्धि नहीं

की गई है। कतिपय पूर्व दरों में कोई वृद्धि न होने अथवा अत्यल्प वृद्धि को दृष्टि में रखते हुए निम्नलिखित संशोधित दरें लागू होगी।—

दैनिक भत्ते की दर

क्र०सं०	ग्रेड वेतन(येड पे)	देहरादून, नैनीताल व पौड़ी गढ़वाल के शहरी क्षेत्र	अन्य जिला मुख्यालय	शेष समस्त क्षेत्र
1.	रु० 4600 तथा उससे कम ग्रेड वेतन	रु० 150	रु० 120	रु० 100

2) वेतन समिति की सरतुतियों पर लिये निर्णय के अनुसार दैनिक भत्ते के प्रयोजनार्थी प्रदेश के बाहर की यात्राओं हेतु प्रथम दो श्रेणियों यथा रु० 12000 ग्रेड वेतन (अब संशोधन के फलस्वरूप एच०ए० जी० रु० 67000(३ प्रतिशत की दर से वार्षिक वेतन वृद्धि)—७९०००) या उससे उच्च वेतनमान ग्रेड वेतन रु० 10,000 तथा रु० 8900 के पद धारकों हेतु रवय की व्यवस्था पर यात्रा भत्ता में ५० किमी० की यात्रा हेतु कमशः ए०सी० तथा नान ए०सी० टैक्सी के चार्जेज की प्रतिपूर्ति की व्यवस्था बड़े नगरों हेतु बहुत कम है। यह अनुभव किया गया है कि प्रदेश के बाहर बड़े शहरों के लिए ५० किमी० मात्र की टैक्सी की अनुमन्यता व्यवहारिक नहीं है। सामान्यतः पदधारक के ठहरने के स्थान ट्रैवल एजन्सी से १०-१५ किमी० की दूरी पर होते हैं तथा बिना कोई दूरी तय किये १०-१५ किमी० आने तथा जाने की दूरी के जोड़ने पर लगभग २०-३० किमी० की यात्रा अतिरिक्त रूप से जुड़ जाती है और सरकारी कार्य हेतु मात्र २०-३० किमी० की यात्रा शेष रहती है।

अतः अब दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई तथा कलकत्ता शहरों हेतु शहर के अन्दर टैक्सी पर वास्तविक रूप से व्यय की गई धनराशि की अनुमन्यता होगी। राज्य हेतु उक्त शहरों से भिन्न शहरों हेतु टैक्सी का एक दिन का वास्तविक व्यय ८० किमी० की सीमा में अनुमन्य होगा।

3) शासनादेश संख्या-७८/xxvii(7)/2009 दिनांक १ मार्च, 2009 को केवल उक्त सीमा तक ही संशोधित समझा जाय तथा इसकी अन्य समस्त शर्तें यथावत् रहेंगी।

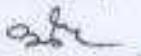
भवदीय
(राज्य प्रतूडी)
सचिव सचिव।

संख्या ४॥ (1)xxvii(7) / 2010 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओबेराय भवन, माजरा, देहरादून ।
2. सचिव, ना० राज्यपाल, उत्तराखण्ड देहरादून ।
3. सचिव, विधान सभा, उत्तराखण्ड, देहरादून
4. रजिस्ट्रार जनरल, उच्च न्यायालय, नैनीताल, उत्तराखण्ड ।
5. समस्त प्रमुख सचिव / सचिव, उत्तराखण्ड शासन ।
6. समस्त मुख्य / वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
7. उत्तराखण्ड सचिवालय के समस्त अनुभाग ।
8. निदेशक, एन०आई०सी० ।
9. गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,


(शारद चन्द्र पाण्डे)
अपर सचिव ।